अटल सेतु न्हावा शेवा सी लिंक

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री द्वारा **मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (Mumbai Trans Harbour Link- MTHL)** का उद्घाटन करने के लिये तैयार हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर **अटल सेतु न्हावा शेवा सी लिंक (Atal Setu Nhava Sheva Sea Link)** के रूप में जाना जाता है, जो 22 किमी. का एक विशाल समुद्री पुल है।

- इस मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का लक्ष्य सेवरी और चिरले के बीच यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव लाना है, जिससे यात्रा के समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

MTHL की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **परिचय:**
  - अटल सेतु **भारत का सबसे लंबा पुल** है और **साथ ही सबसे लंबा समुद्री पुल** भी है।
    - यह पुल लगभग **21.8 किमी. लंबा छह लेन वाला** पुल है, जिसकी लंबाई समुद्र के ऊपर लगभग 16.5 किमी. और ज़मीन पर लगभग 5.5 किमी है।
  - इस पुल का नाम भारत के पूर्व **प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी** के नाम पर रखा गया है।
  - यह पुल **मुंबई के सेवरी** से शुरू होता है और **रायगढ़ ज़िले के उरण तालुका में न्हावा शेवा पर** समाप्त होता है।
  - इस परियोजना को **जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA)** द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जो कुल परियोजना लागत का 80% हिस्सा कवर करती है, जबकि शेष हिस्सा राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा किया जाता है।

नोट:

- इससे पहले असम में [ब्रह्मपुत्र](#) नदी पर **डॉ. भूपेन हज़ारिका पुल भारत का सबसे लंबा पुल** था। यह 9.15 किमी. लंबा नदी पुल है।

//

- **सम्मिलित प्रौद्योगिकियाँ:**
  - MTHL में **रिवर्स सर्कुलेशन ड्रिलिंग (RCD) पाइलिंग, ऑर्थोट्रोपिक स्टील डेक (OSD) ब्रिज गर्डर्स और ओपन रोड टोलिंग (ORT)** सिस्टम जैसी विभिन्न नवीन तकनीकों को शामिल किया गया है।
    - **RCD तकनीक** का उपयोग भारत में पहली बार किया गया है, जो ढेर **नींव बिछाने के लिये** नियोजित एक नवीन तकनीक है, यह पारंपरिक ऊर्ध्वाधर ड्रिलिंग विधि की तुलना में कम शोर उत्पन्न करती है।
    - **OSD** एक निर्माण विधि है जो **ताकत और लचीलेपन को जोड़ती** है। यह तकनीक पुल के स्टील डेक के हल्के ढाँचे को बनाए रखते हुए भारी वाहनों का सामना करने की अनुमति देती है।
    - MTHL वाहनों को रोकने या धीमा करने की आवश्यकता के बिना टोल एकत्र करने की ORT**पद्धति अपनाने वाली देश की पहली परियोजना** बन गई।
- **लाभ:**
  - मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीज़न डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) तथा JICA द्वारा किये गए एक अध्ययन के अनुसार MTHL सेवरी एवं चिरले के बीच **औसत यात्रा समय को** वर्तमान में 61 मिनट से घटाकर 16 मिनट से भी **कम कर देगा।**
  - शुरुआती वर्ष (2024) में प्रतिदिन करीब 40,000 वाहनों को लिंक का उपयोग करने की उम्मीद है।
  - यह अनुमान लगाया गया है कि यह परियोजना **नवी मुंबई को मुंबई के साथ आर्थिक रूप से अधिक एकीकृत** करने में सक्षम बनाएगी और साथ ही पनवेल, अलीबाग, पुणे एवं गोवा को भी इससे लाभ मिलेगा।
  - यह पुल मुंबई तथा पुणे एक्सप्रेसवे के बीच की दूरी को कम करने में सहायता प्रदान करेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/atal-setu-nhava-sheva-sea-link